Project Based Learning

इस विधि का विकास अमेरिका में हुआ। परियोजना विधि के प्रणेता जॉन डीवी थे। प्रायोजना विधि शिक्षा दर्शन की एक प्रमुख विचारधारा प्रयोजनवाद पर आधारित है। तथा इस विधि के जन्मदाता किल पैट्रिक है।

प्रायोजना विधि में बालक अपने अनुभव के आधार पर सीखते हैं। उन्हें स्वतंत्र रूप से सोचने विचारने का अवसर प्राप्त होता है तथा उनका शारीरिक और मानसिक विकास होता है।

किल पैट्रिक (Kill Patrick) -"प्रोजेक्ट वह उद्देश्य पूर्ण कार्य है जिसे लगन के साथ सामाजिक वातावरण में किया जाता है।"

पारकर (Parker)-"यह क्रिया की एक इकाई है जिसमें विद्यार्थियों को योजना और उद्देश्य निर्धारित करने के लिए उत्तरदाई बनाया जाता है।"

स्टीवेंसन (Stevenson) -"प्रोजेक्ट एक समस्या मूलक कार्य है जिसे स्वाभाविक परिस्थितियों में पूर्ण किया जाता है"।

बेलार्ड (Ballard) -"प्रोजेक्ट यथार्थ जीवन का ही एक भाग है जो विद्यालय में प्रदान किया गया है"।

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रोजेक्ट विधि विद्यार्थियों के वास्तविक जीवन से संबंधित किसी समस्या का हल खोज निकालने के लिए अच्छी तरह से चुना हुआ वह कार्य है जिसे पूर्ण स्वाभाविक परिस्थितियों में सामाजिक वातावरण में ही पूर्ण किया जाता है।

प्रायोजना विधि की कार्यप्रणाली (working process of project method)-

प्रायोजना विधि को सुचारु रुप से चलाने के लिए निम्न पदों में विभक्त किया जा सकता है-

1. कार्यक्रम (Planning)-

प्रायोजना की सफलता व असफलता इस पद पर निर्भर करती है। शिक्षक को वाद विवाद के माध्यम से योजना के विभिन्न पक्षों से संबंधित कार्यक्रम सुचारु रुप से बना लेना चाहिए। उसी के अनुसार दायित्व का विभाजन करना चाहिए।

2. प्रस्थिति प्रदान करना(provision of a situation)-

विद्यार्थियों की आयु ,इच्छाओं एवं योग्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षक को चाहिए कि वह ऐसी स्थिति छात्रों के सम्मुख उत्पन्न कर दें, जिस में छात्रों को रुचि हो जाए तथा उसमें निहित समस्या की ओर उनका ध्यान केंद्रित हो जाए।

3. क्रियान्वयन execution-

प्रत्येक छात्र की योग्यता प्रकृति, रुचि एवं क्षमता के अनुरूप उसे दायित्व दिया जाना चाहिए। जिससे वह योजना की पूर्णता मैं कुछ योगदान दे सके। शिक्षक को अप्रत्यक्ष रुप से योजना के प्रत्येक प्रश्न पर ध्यान देना चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर मार्गदर्शन करना चाहिए।

4. योजना के उद्देश्य एवं चयन selection and objective of project-

योजना का उपयुक्त चयन सफलता की एक आवश्यकता है शिक्षक को अप्रत्यक्ष रुप से छात्रों को उपयुक्त योजना के चयन हेतु मार्गदर्शन करना चाहिए, तभी वह अधिक उपयोगी हो सकती है। इसके बाद उसी से संबंधित उद्देश्य छात्रों के सामने स्पष्ट कर देना चाहिए,जिससे वह अपनी शक्तियों का वंचित रूप से मार्गकारण कर सकें।

5. मूल्यांकन evolution-

योजना की समाप्ति पर शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा सारे कार्य का मूल्यांकन किया जाता है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। यदि योजना में कोई तृप्ति रह गई हो तो उसे खोजने का प्रयास किया जाना चाहिए । छात्रों को समय में अपने कार्यों की समा योजना करनी चाहिए।

6. कार्य लेख recording-

प्रत्येक छात्र को अपनी क्रियाओं का विवरण रखना होता है। जो धातु रूप से सौंपा गया है उससे संबंधित सब लेखा जोखा उसे रखना होता है। शिक्षक उस का निरीक्षण करता है तथा यह जानने का प्रयास करता है कि छात्र अपना उत्तरदायित्व कितना निभा रहा है। संपूर्ण योजना का एक पूर्ण विवरण भी रखा जाता है।

प्रायोजना विधि के लाभ/गुण-Benefits / Properties of the Project Method-

➪इस विधि द्वारा बालक व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं जो उनके भावी जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

➪इसमें सभी विषयों के ज्ञान को संबोधित किया जाता है।

➪यह विधि बालक में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व और भावनात्मक स्थिरता आदि का विकास करती है।

➪इस विधि में बालकों को यह स्वतंत्रता होती है कि वह अपनी रुचि के अनुसार योजना का चुनाव करें। यहां समय चक्र का कोई प्रतिबंध नहीं होता है।

➪जो भी समस्या ली जाती है वह वास्तविक होती है इसके द्वारा बालक जीवन की नवीन परिस्थितियों से अवगत होते हैं।

➪प्रयोजना विधि में बालक सदैव क्रियाशील रहते हैं। क्रियाशीलता के कारण बालक में जिज्ञासा,चिंतन तथा संग्रह करने की आदतों का विकास होता है।

➪इस विधि के माध्यम से बालकों में सहयोग व सद्भाव का विकास होता है क्योंकि इस विधि में बालक समूह में रहकर कार्य करते हैं।

➪इस विधि में बाल केंद्रित शिक्षा पर बल दिया जाता है। बालक की रुचियों, मनोवृत्तियों और मनोभावों का ध्यान रखा जाता है।

⇨छात्रों के निरंतर क्रियाशील रहने से उनकी व्यवहार कुशलता में वृद्धि होती है।

प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग के लिए आवश्यक

शिक्षक द्वारा कई अलग-अलग बातचीत और स्थितियों की योजना और सुविधा की आवश्यकता होती है। PBL में नवीन और जानबूझकर तरीके से डिजिटल प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने से PBL प्रक्रिया और परिणामी उत्पादों में सुधार करने की क्षमता है।

एक परियोजना सार्थक है अगर वह दो मानदंडों को पूरा करती है। सबसे पहले, छात्रों को कार्य को व्यक्तिगत रूप से सार्थक समझना चाहिए, एक कार्य के रूप में जो मायने रखता है और जो वे अच्छा करना चाहते हैं। दूसरा, एक सार्थक परियोजना एक शैक्षिक उद्देश्य को पूरा करती है। अच्छी तरह से डिजाइन और अच्छी तरह से कार्यान्वित परियोजना-आधारित शिक्षा दोनों तरीकों से सार्थक है।

1.जानने की आवश्यकता है:-

शिक्षक छात्रों को "एंट्री इवेंट" के साथ एक परियोजना शुरू करने के लिए सामग्री को जानने की आवश्यकता को सक्रिय रूप से सक्रिय कर सकते हैं जो रुचि पैदा करता है और पूछताछ शुरू करता है। एक प्रविष्टि घटना लगभग कुछ भी हो सकती है: एक वीडियो, एक जीवंत चर्चा, एक अतिथि वक्ता, एक क्षेत्र की यात्रा, या नकली पत्राचार का एक टुकड़ा जो एक परिदृश्य सेट करता है। इसके विपरीत, कागज के एक पैकेट को वितरित करके एक परियोजना की घोषणा करना छात्रों को बंद करने की संभावना है; यह व्यस्तता के लिए एक प्रस्तावना जैसा दिखता है।

बहुत से छात्र स्कूलवर्क को व्यर्थ पाते हैं क्योंकि उन्हें यह जानने की आवश्यकता नहीं होती है कि उन्हें क्या सिखाया जा रहा है। वे एक शिक्षक के सुझाव से अचिन्तित हैं कि उन्हें कुछ सीखना चाहिए क्योंकि उन्हें जीवन में बाद में इसकी आवश्यकता होगी, अगले कोर्स के लिए, या सिर्फ इसलिए कि "यह परीक्षा में होने वाला है।" एक सम्मोहक छात्र परियोजना के साथ, प्रासंगिक सामग्री सीखने का कारण स्पष्ट हो जाता है: मैंने जो चुनौती स्वीकार की है, उसे पूरा करने के लिए यह जानना आवश्यक है।

2. प्रश्न

एक अच्छा प्रश्न स्पष्ट, सम्मोहक भाषा में प्रोजेक्ट के दिल को पकड़ लेता है, जो छात्रों को उद्देश्य और चुनौती देता है। प्रश्न उत्तेजक, खुला-समाप्त, जटिल होना चाहिए और जो आप सीखना चाहते हैं, उसके मूल से जुड़ा होना चाहिए। या एक समस्या को हल करने पर ध्यान केंद्रित किया (हम इस वेबसाइट को कैसे सुधार सकते हैं ताकि अधिक युवा लोग इसका उपयोग करेंगे?)।

एक ड्राइविंग सवाल के बिना एक परियोजना एक थीसिस के बिना एक निबंध की तरह है। थीसिस स्टेटमेंट के बिना, एक पाठक मुख्य बिंदु को लेने में सक्षम हो सकता है जिसे एक लेखक बनाने की कोशिश कर रहा है; लेकिन एक थीसिस कथन के साथ, मुख्य बिंदु अचूक है। ड्राइविंग सवाल के बिना, छात्र यह नहीं समझ सकते हैं कि वे एक परियोजना क्यों कर रहे हैं। वे जानते हैं कि सौंपी गई गतिविधियों की श्रृंखला का समय अवधि, स्थान या अवधारणा के साथ कुछ संबंध है। लेकिन अगर आपने पूछा, "इन सभी गतिविधियों का क्या मतलब है?" वे केवल प्रस्ताव देने में सक्षम हो सकते हैं, "क्योंकि हम एक पोस्टर बना रहे हैं।"

3. छात्र की आवाज और पसंद

परियोजना-आधारित सीखने का यह तत्व महत्वपूर्ण है। छात्रों के लिए एक परियोजना को सार्थक बनाने के मामले में, अधिक आवाज और पसंद, बेहतर। हालांकि, शिक्षकों को छात्र की पसंद की सीमा के साथ परियोजनाओं को डिजाइन करना चाहिए जो उनकी अपनी शैली और छात्रों के अनुकूल हो।

4. 21 वीं सदी के कौशल

एक परियोजना से छात्रों को सहयोग, संचार, महत्वपूर्ण सोच और प्रौद्योगिकी के उपयोग के रूप में ऐसी 21 वीं सदी के कौशल का निर्माण करने का अवसर मिलना चाहिए, जो उन्हें कार्यस्थल और जीवन में अच्छी तरह से सेवा देगा। प्रामाणिक कौशलों का यह प्रदर्शन सार्थक कार्य के लिए दूसरी कसौटी पर खरा उतरता है-एक महत्वपूर्ण उद्देश्य। प्रोजेक्ट-आधारित सीखने के माहौल में एक शिक्षक इन कौशलों का स्पष्ट रूप से अध्ययन और मूल्यांकन करता है और छात्रों को स्वयं का आकलन करने के लिए लगातार अवसर प्रदान करता है।

5. पूछताछ और नवाचार

छात्रों को प्रोजेक्ट वर्क अधिक सार्थक लगता है यदि वे वास्तविक जांच करते हैं, जिसका मतलब किताबों या वेबसाइटों में जानकारी ढूंढना और पोस्टर पर चिपकाना नहीं है। वास्तविक पूछताछ में, छात्र अपने स्वयं के प्रश्नों के साथ शुरू होने वाले एक निशान का अनुसरण करते हैं, संसाधनों की खोज और उत्तरों की खोज की ओर अग्रसर होते हैं, और अक्सर नए प्रश्नों को उत्पन्न करने, विचारों का परीक्षण करने और अपने स्वयं के निष्कर्ष निकालने की ओर अग्रसर होते हैं। वास्तविक जांच से नवाचार आता है - ड्राइविंग प्रश्न का नया उत्तर, नए उत्पाद या समस्या के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्पन्न समाधान। शिक्षक छात्रों को केवल एक प्रारूप में शिक्षक-या पाठ्यपुस्तक-प्रदत्त जानकारी को पुन: पेश करने के लिए नहीं कहता है।

छात्रों को वास्तविक पूछताछ में मार्गदर्शन करने के लिए, छात्रों को प्रवेश समारोह के बाद उत्पन्न सवालों की सूची में देखें। उन्हें इस सूची में जोड़ने के लिए कोच के रूप में वे नई अंतर्दृष्टि की खोज करते हैं। कक्षा की संस्कृति में नए विचारों और दृष्टिकोणों पर सवाल उठाना, परिकल्पना और खुलेपन को महत्व देना चाहिए।

6. प्रतिक्रिया और संशोधन

एक परियोजना के दौरान प्रतिक्रिया और संशोधन के लिए एक प्रक्रिया का गठन करना सीखने को सार्थक बनाता है क्योंकि यह जोर देता है कि उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और प्रदर्शनों का निर्माण करना प्रयास का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। छात्रों को यह सीखने की ज़रूरत है कि अधिकांश लोगों के पहले प्रयासों का परिणाम उच्च गुणवत्ता का नहीं है और यह संशोधन वास्तविक दुनिया के काम की एक लगातार विशेषता है।

प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया प्रदान करने के अलावा, शिक्षक को एक दूसरे के काम की आलोचना करने के लिए रूब्रिक्स या मानदंड के अन्य सेटों का उपयोग करने में छात्रों को प्रशिक्षित करना चाहिए। शिक्षक प्रतिक्रिया देने के लिए विशेषज्ञों या वयस्क आकाओं की व्यवस्था कर सकते हैं, जो विशेष रूप से स्रोत के कारण छात्रों के लिए सार्थक है।

7. एक सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत उत्पाद

जब स्कूल केवल शिक्षक या परीक्षा के लिए ही नहीं किया जाता है तो स्कूली शिक्षा अधिक सार्थक होती है। जब छात्र अपने काम को वास्तविक दर्शकों के सामने पेश करते हैं, तो वे इसकी गुणवत्ता के बारे में अधिक ध्यान रखते हैं। एक बार फिर, यह "अधिक, बेहतर" जब प्रामाणिकता की बात आती है। छात्र पेशेवरों द्वारा किए गए कार्यों के प्रकार को दोहरा सकते हैं - लेकिन इससे भी बेहतर, वे वास्तविक उत्पाद बना सकते हैं जो स्कूल के बाहर के लोग उपयोग करते हैं।

8.प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग या समस्या- समस्या आधारित लर्निंग (PBL) एक शिक्षण दृष्टिकोण है जिसमें छात्र एक आकर्षक और जटिल प्रश्न, समस्या या चुनौती की जांच करने और प्रतिक्रिया देने के लिए विस्तारित अवधि के लिए काम करके ज्ञान और कौशल प्राप्त करते हैं।

9.मुख्य ज्ञान, समझ और सफलता कौशल - यह परियोजना पाठ्यक्रम-आधारित सामग्री और महत्वपूर्ण सोच, समस्या को सुलझाने, सहयोग और आत्म-प्रबंधन जैसे कौशल सहित छात्र सीखने के लक्ष्यों पर केंद्रित है।

10.एक चुनौतीपूर्ण समस्या या सवाल - चुनौती के उचित स्तर पर हल करने के लिए या सवाल का जवाब देने के लिए एक सार्थक समस्या द्वारा परियोजना को तैयार किया गया है।

11.सतत पूछताछ - Enquiry पुनरावृत्त है, छात्र एक संतोषजनक समाधान तक पहुंचने के लिए प्रश्न पूछने, संसाधन खोजने, और जानकारी को लागू करने की एक कठोर, विस्तारित प्रक्रिया में संलग्न हैं।

12.प्रामाणिकता - परियोजना में वास्तविक दुनिया के कार्य, प्रक्रियाएं, उपकरण और प्रदर्शन / गुणवत्ता मानक शामिल हैं। यह दूसरों पर प्रभाव डाल सकता है, या कुछ ऐसा बना सकता है जो दूसरों द्वारा उपयोग या अनुभव किया जाएगा। इसमें छात्रों की व्यक्तिगत चिंताओं, हितों और उनके जीवन में मुद्दों से संबंधित व्यक्तिगत प्रामाणिकता हो सकती है।

13.प्रतिबिंब - प्रतिबिंब परियोजना पत्रिकाओं, औपचारिक मूल्यांकन, परियोजना चौकियों पर चर्चा, और छात्र के काम की सार्वजनिक प्रस्तुतियों का एक स्पष्ट हिस्सा होना चाहिए।

14.प्रोजेक्ट पर ही चिंतन - यह कैसे डिजाइन और कार्यान्वित किया गया - छात्रों को यह तय करने में मदद करता है कि वे अपनी अगली परियोजना के लिए कैसे दृष्टिकोण कर सकते हैं, और शिक्षकों को उनके PBL अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है।

15.आलोचना और संशोधन - छात्रों को उनकी प्रक्रिया और उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए रचनात्मक सहकर्मी प्रतिक्रिया देने और प्राप्त करने का तरीका सिखाएं।

16.सार्वजनिक उत्पाद - छात्र अपने प्रोजेक्ट कार्य को कक्षा से परे लोगों को समझाकर, प्रदर्शित और / या प्रस्तुत करके सार्वजनिक करते हैं।